ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

डॉ. जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी
संयुक्त सचिव
Dr. Jitendra K. Tripathi
Joint Secretary

सत्यमेव जयते

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
बहादुर शाह जफ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002
दूरभाष Ph : 011-23239200
E-mail : jitendratripathi.ugc@nic.in

मि0 सं0 2–1/2018 (राजभाषा)–II

27 दिसम्बर, 2018

कुलपति,
वीर नर्मद साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी,
सूरत–395 007,
(गुजरात)

विषयः 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन के समानांतर सत्रों में विद्वानों द्वारा की गई अनुशंसाएं।

महोदय/महोदया,

उपरोक्त विषय पर मंत्रालय के पत्र सं0 4–8/2017–एल–1 दिनांक 2 नवम्बर, 2018 के संदर्भ में 11वें विश्व हिंदी सम्मेलन में विषय **"हिंदी विश्व और भारतीय संस्कृति"** के आठ उपविषयों पर समानांतर सत्रों में विद्वानों द्वारा जो अनुशंसाएं दी गई है, उन अनुशंसाओं पर विश्वविद्यालय अपने बहुउद्देशीय मत/सुझावों से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को अतिशीघ्र अवगत कराएं, विद्वानों द्वारा दी गई अनुशंसाएं निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	मद सं0	विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसाओं पर मत/सुझाव
1.	विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में लोक जीवन तथा लोक संस्कृति का समावेश किया जाए।	
2.	लोक जीवन, लोक साहित्य पर शोध परियोजनाओं में वरीयता एवं उन्हें प्रोत्साहन दिया जाए।	
3.	लोक भाषा के लिए कार्यरत संस्थाओं द्वारा लोक साहित्य एवं लोक संगीत, लोक जीवन के संवर्धन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर कार्य योजनाएँ बनाई जाएँ।	
4.	हिंदी शिक्षा को समाज के प्रत्येक स्तर पर लागू किया जाए।	
5.	हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार के लिए देवनागरी लिपि ही स्वीकार की जाए।	
6.	भारत में किसी उपयुक्त स्थान पर भारत रत्न 'अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी पत्रकारिता केंद्रीय विश्वविद्यालय' की स्थापना की जाए।	
7.	भारत के संचार माध्यमों (यथा–समाचार पत्र–पत्रिकाओं, रेडियो, टेलीविजन तथा फिल्मों) में इंडिया के स्थान पर 'भारत' के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाए।	
8.	पत्रकारिता एवं संपादन के क्षेत्र में भारत के शीर्ष जननेताओं एवं राजनेताओं के अवदान पर शोध कार्य किया जाए।	
9.	विभिन्न देशों में शिक्षकों का आदान–प्रदान किया जाए।	
10.	विश्वविद्यालयों के प्राध्यापकों, सरकार–गैरसरकारी अधिकारियों, सामान्य प्रयोक्ताओं आदि के लिए तकनीकी कार्यशालाएँ आयोजित हों।	
11.	कंप्यूटर पाठ्यक्रमों में यूनिकोड, इनस्क्रिप्ट तथा भाषायी प्रौद्योगिकियों से संबंधित खंड शामिल किए जाएँ। भाषायी पाठ्यक्रमों में भी प्रौद्योगिकी का परिचय दिया जाए।	

आपसे अनुरोध है कि विद्वानों द्वारा दी गई अनुशंसाओं पर यथाशीघ्र अपना मत/सुझाव उपलब्ध कराएं, जिससे मानव संसाधन विकास मंत्रालय को यथाशीघ्र सूचना उपलब्ध कराई जा सके।

सधन्यवाद।

भवदीय,

(जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी)

Veer Narmad South Gujarat University, Surat

To,

- Head of all P.G Departments, V.N.S.G.U, Surat.
- Principal of all affiliated colleges.

----- **Kindly send your valuable suggestions on ugccell@vnsgu.ac.in by 23rd February 2019** -----

No: UGC/322 (A)/2793/2019
Dt: 16/02/2019